उपर्युक्त अवधियों के दौरान राज्यों द्वारा सूचित फसलों के नुकसान का मुद्रा-मूल्य निम्नवत है :—

फसलों को नुकसान	(करोड़ रुपये)
पांचवीं योजना (1974 से 1977 की बाढ़ों के दौरान)	1998.52
छठी योजना	
(1) 1980	366.35
(2) 1981	497.96
(3) 1982	589.40
(4) 1983	1279.92

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान का संस्थान, जोधपुर द्वारा 'खेजरी' के पेड़ और 'तूम्बा' फसल के सम्बन्ध में अनुसंधान

3123. श्री बुद्धि चन्द्र जैन : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर रेगिस्तानी क्षेत्र में पाए गए मुख्य वृक्ष 'खेजरी' और 'वाणिज्यिक फसल 'तूम्बा' के सम्बन्ध में कोई अनुसंधान किया है ;

(ख) यदि हां, तो उक्त अनुसंधान के क्या परिणाम रहे ; और

(ग) यह सुनिश्चित करने के लिए उक्त अनुसंधान के परिणाम किसानों तक पहुंचे, केन्द्र सरकार और राजस्थान सरकार द्वारा उठाए गए ठोस कदमों का ब्यौरा क्या है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाना) : (क) जी हां, श्रीमान् ।

(ख) और (ग) 'खेजड़ी' के प्रवर्धन और उत्पादकता में सुधार करने के लिए केन्द्रीय मरू क्षेत्र अनुसंधान संस्थान इसके प्रारम्भ से ही इस वृक्ष पर अनुसंधान कर रहा है। इस पर उपलब्ध जानकारी को एक मोनोग्राम के रूप में प्रलेखित किया गया है। एक जर्म-प्लाज्म बैंक के विकास के लिए यह संस्थान विशेषताओं में विस्तृत परिवर्तनशीलता सहित जल्दी बढ़ने वाले वृक्षों की पहचान करने हेतु अन्वेषणात्मक सर्वेक्षण कर रहा है। हाल ही में, वायु दाब-कलम के माध्यम से कायिक प्रवर्धन तकनीकों को मानकीकृत किया गया है। यह तकनीक बड़े पैमाने पर पेड़ लगाने के लिए 'खेजड़ी' के सुधरे बीजों की आपूर्ति करके क्लोन-युक्त बीज बागानों की स्थापना करने में बहुत उपयोगी होगी।

तूम्बा की खेती पर किये गये अनुसंधान अन्वेषण से इसकी उत्पादकता में सुधार लाने के लिए एक कृषि विधि के विकास का पता चला है। बालू मिट्टियों में इसकी खेती करने की सस्य तकनीक को मानकीकृत किया गया है।

'खेजड़ी' (पत्तियों, फलियों और टहनियों) के विभिन्न हिस्सों के प्रवर्धन और लाभकारी उपयोग की जानकारी को प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा लोकप्रिय साहित्य के वितरण के माध्यम से किसानों तक पहुंचाया जा रहा है।

हाल ही में, राजस्थान सरकार ने केन्द्रीय मरू क्षेत्र अनुसंधान संस्थान जोधपुर के सहयोग से इस फसल की खेती को बीकानेर, जैसलमेर और जोधपुर क्षेत्र के किसानों में लोकप्रिय बनाने के लिए एक-एक हैक्टर के तूम्बा प्रदर्शन प्लाटों की व्यवस्था की है।

उकई सिंचाई परियोजना

3124. श्री छोटूभाई गामित : क्या सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1983 के अन्त तक गुजरात की उकई सिंचाई परियोजना पर कितनी धनराशि